वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 249 | मंगलवार 3 जनवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

गहलोत समर्थक विधायकों के इस्तीफों पर 16 को अगली सुनवाई

हाईकोर्ट ने कहा- अनिश्चितकाल के लिए लंबित नहीं रख सकते मामला, राठौड़ बोले- नजीर बनेगा फैसला

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समर्थक विधायकों के इस्तीफों पर अब हाईकोर्ट में 16 जनवरी को अगली सुनवाई होगी। हाईकोर्ट ने महाधिवक्ता से विधायकों के इस्तीफों पर स्पीकर के स्तर पर किए जाने वाले फैसले की समय सीमा के बारे में बताने को कहा है। उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने ये निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट ने इस मुद्दे को अनिश्चितकाल के लिए लंबित रखने से इनकार कर दिया हैं। हाईकोर्ट ने अधिवक्ता पीसी भंडारी को मामले में पक्षकार बनने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई में स्पीकर और विधानसभा सचिव से इस्तीफों पर नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। आज महाधिवक्ता ने याचिका पर जवाब पेश करने के लिए समय मांगा। इस पर चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इस मामले को अनिश्चितकाल के लिए लंबित रखने से इनकार करते हुए अगले 10 दिन में इस पर फैसले से अवगत करवाने को कहा। 16 जनवरी को अगली सुनवाई की तारीख तय की है।

एजी को मिला जवाब देने के लिए समय, राठौड़ ने पूछा- एजी किसकी तरफ से पैरवी कर रहे

हाईकोर्ट ने राज्य के महाधिवक्ता-एजी को विधायकों के इस्तीफों को लेकर विधानसभा स्पीकर और विधानसभा सचिव की तरफ से जवाब पेश करने में और समय देने की मंजूरी दे दी। राजेंद्र राठौड़ ने पूछा कि एजी किसकी तरफ से पैरवी कर रहे हैं। एजी

सरकार की तरफ से पैरवी कर रहे हैं या विधानसभा स्पीकर या सचिव की तरफ से।

राठौड़ बोले विधायकी से इस्तीफा देने वाले किस हैसियत से मंत्री, उनके फैसले भी गलत

उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा- किस्सा कुर्सी में कई दिनों से लोकतंत्र के साथ मजाक होते देख हैं। आधी आबादी को रिप्रजेंट करनेवाले विधायक कहते हैं कि उन्होंने पद छोड़ दिया फिर अचानक कहते हैं कि पद पर रहेंगे। इस्तीफा देने के बाद 97 दिन तक मंत्रिमंडल में रहे विधायकों ने फैसले किए, वे भी गैरकानूनी हैं। जो त्यागवीर बने बैठे थे। वे अचानक कैसे बदल गए। राठौड़ ने कहा- 91 विधायकों के 97 दिन तक इस्तीफों पर फैसला नहीं होने के मामले को चीफ जस्टिस ने सुना। यह राजस्थान के संसदीय इतिहास में पहला मौका होगा जब हाईकोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष और सचिव से विधायकों के इस्तीफों पर जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिए हैं निर्णय को लंबे समय तक लंबित नहीं राह सके। राठौड़ ने कहा कि 23 जनवरी से बजट सत्र आहूत कर लिया है। बजट सत्र से पहले निर्णय करके कोर्ट आने को कहा है।

25 सितंबर को गहलोत समर्थक विधायकों ने दिए थे इस्तीफे

25 सितंबर 2022 को गहलोत समर्थक विधायकों ने विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करते हुए यूडीएच मंत्री शांति शांति धारीवाल के बंगले पर पैरेलल बैठक की थी। इस बैठक के बाद करीब 90 विधायकों ने विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी को इस्तीफे सौंपे थे। गहलोत समर्थक विधायकों ने सचिन पायलट को सीएम बनाने के खिलाफ ये इस्तीफे दिए थे। इस घटना के बाद गहलोत समर्थक विधायकों ने पायलट के खिलाफ जमकर बयानबाजी की थी। मौजूदा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और तत्कालीन प्रदेश प्रभारी अजय माकन को उस समय विधायक दल की बैठक के लिए ऑब्जर्वर बनाकर भेजा था। दोनों नेताओं ने सोनिया गांधी को रिपोर्ट सौंपी थी जिसके आधार पर शांति धारीवाल, महेश जोशी, धर्मेंद्र राठौड़ को नोटिस जारी किए थे। तीनों के खिलाफ अब तक एक्शन पैंडिंग है। गहलोत समर्थक कांग्रेस और निर्दलीय विधायकों ने इस्तीफे वापस ले लिए हैं। प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा के जयपुर में नेताओं से गुरुवार-शुक्रवार को फीडबैक बैठक के बाद ही इस्तीफे वापसी का दौर शुरू हो गया था। कांग्रेस हाईकमान से मिले आदेशों के बाद तीन दिन में सभी विधायकों ने इस्तीफे वापस ले लिए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज से राजस्थान के दौरे पर

राजभवन में बने संविधान पार्क का करेंगी उद्घाटन, स्टाउट-गाइड की राष्ट्रीय जम्बूरी में करेंगी शिरकत

जयपुर. कासं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को राजस्थान के दो दिवसीय दौरे पर आ रही हैं। 3 जनवरी को वे जयपुर और माउंट आबू में अलग-अलग कार्यक्रमों में शिरकत करेंगी। जबकि 4 जनवरी को पाली में स्टाउट-गाइड की राष्ट्रीय

जंबूरी में शिरकत करेंगी। जयपुर स्थित राजभवन में बने संविधान पार्क का राष्ट्रपति का उदघाटन करेंगी। कार्यक्रम के मुताबिक राष्ट्रपति सेना के विशेष विमान से 3 जनवरी को जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेगी। यहां से सिविल लाइंस स्थित राजभवन पहुंचेगी। वहां बने संविधान पार्क का उद्घाटन करेंगी। सुबह 11 बजे प्रस्तावित इस कार्यक्रम के उनका राजभवन में लंच भी रखा है। इस दौरान राज्यपाल कलराज मिश्र, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द कटारिया, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया समेत कई जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे।

सप्ताह में दो दिन खुलेगा संविधान पार्क

राजभवन में बने इस संविधान पार्क को सप्ताह में 2 दिन आमजन के लिए खोला जाएगा। इस पार्क में 50-50 के स्लॉट में विजिट करवाई जाएगी। इस पार्क को बनाने में करीब 9.15 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस पार्क में संविधान बनाने में योगदान देने वाली विभूतियों की प्रतिमाएं लगाई हैं। उनका योगदान, संविधान की संरचना और मूल्यों को शिलाओं पर उकेरा है। इसके अलावा ऑडियो-विजुअल माध्यम से विजिटर्स को संविधान पार्क की जानकारी दी जाएगी। पार्क में मुख्य आकर्षण का केन्द्र महात्मा गांधी की 10 बाई 12 फीट की चरखा चलाते हुए गन मेटल से बनी प्रतिमा है।

पूज्य समकितमुनिजी म.सा. का होली चातुर्मास उदयपुर में

मेरठ से 10 जनवरी बाद करेंगे उदयपुर के लिए विहार

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। धर्मनगरी भीलवाड़ा के शांतिभवन में एतिहासिक चातुर्मास सम्पन्न करने के बाद गुरु निहाल नगरी मेरठ में प्रवास कर रहे आगममर्मज्ञ,प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. का आगामी होली चातुर्मास मेवाड़ की पावन धरा झीलों की नगरी में उदयपुर में होंगा। अपने गुरू श्रमणसंघीय सलाहकार भीष्म पितामत राजर्षि पूज्य सुमतिप्रकाशजी म.सा. के दर्शन व सानिध्य पाने की भावना से मेरठ पहुचे पूज्य समकित मुनिजी म.सा. के उदयपुर होली चातुर्मास के लिए 10 जनवरी बाद मेरठ से विहार करने के भाव है। उनके साथ भीलवाड़ा में चातुर्मास करने वाले प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. एवं गायनकुशल जयवंतमुनिजी म.सा. भी रहेगे। उनके उदयपुर होली चातुर्मास तय होने से भीलवाड़ा- चितोड़गढ़ जिले के श्रावक-श्राविकाओं को मेवाड़ क्षेत्र में प्रवास होने से उदयपुर क्षेत्र में पहुच गुरु दर्शन का सुअवसर मिलेगा। गौरतलब है कि भीलवाड़ा शांतिभवन से 9 नवंबर को मंगलविहार करने वाले पूज्य समकितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 3 डेढ़ माह से भी कम समय में 600 किलोमीटर का उग्र विहार कर 21 दिसम्बर को गुरूचरणों में मेरठ पहुंच गए थे। भीलवाड़ा से मेरठ तक की विहार यात्रा मुनिश्री ने कोटड़ी, शाहपुरा, केकड़ी, मालपुरा, जयपुर, गुरूग्राम, दिल्ली होते हुए पूर्ण की थी। पूज्य समकितमुनि जी म.सा. आदि ठाणा का वर्ष 2023 का वषार्वास पहले ही पूना के अदिनाथ जैन स्थानक भवन घोषित हो चुका है। उदयपुर होली चातुर्मास के बाद मुनिश्री पूना की दिशा में विहार करेंगे।

महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन जयपुर

नव वर्ष का प्रथम दिन मरीजों व दिव्यांगो की सहायता कर मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

1जनवरी 2023 को महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन के सदस्यों ने दिव्यांगो मरीजों व फिजियोथेरेपी के मरीजों की सहायतार्थ सेवा कार्य प्रारंभ किए ।अध्यक्ष वीर सुभाष गोलेछा ने अपने पौत्र भविक गोलेछा की स्मृति मे एक गैस सिलेंडर, पारस बाफना परिवार ने अपने पुत्र प्रोमित बाफना की स्मृति में एक गैस सिलेंडर तथा पीसी छाबड़ा ने अपंग सक्षम के चल रहे उपचार के लिए एक फिजियोथेरेपी का दाये पैर का जूता तथा ढंग से खड़े होकर चलने मे सहयोग हेतु एक वाकर प्रदान किया। यह भी निर्णय लिया गया कि सक्षम का फिजियोथेरेपी से उपचार निशुल्क किया जायेगा । हमारे प्रसिद्ध अनुभवी डाः सुमेर जी गोडीवाल ने सेवा करने का पूर्ण इरादा जताया है तथा विश्वास के साथ कहा कि हम सब मिलकर सक्षम को भली प्रकार खड़ा करने का पूर्ण प्रयास करेंगे। इसी के साथ एक वील चैयर भी वीर अनिल वैद्य की सहायता से विकलांगों को प्रदान की गई। इस मोके पर वीर सुभाष गोलेछा ,वीरा मधु गोलेछा, उनके सुपुत्र सुमित गोलेछा उनकी ध प. व सुपुत्र प्रत्युष गोलेचा, वीर अनिल

वैध,वीरा अनिता वैध, वीर प्रसन्न गोलेछा भूतपूर्व अध्यक्ष , वीरा चंद्रा गोलेछा, भूतपूर्व अध्यक्ष वीर एच एम सिंधवी ,वीर पी सी छाबड़ा मंत्री उपस्थित रहे। हम की गई सहायता के लिए आभार अभिनन्दन व स्वागत करते हैं।

नववर्ष के प्रथम रविवार को राजगढ़ धाम पर उमड़ा सैलाब

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद । अजमेर जिले के सुप्रसिद्ध सर्वधर्म धार्मिक स्थल श्री मसाणिया भैरव धाम राजगढ़ पर नववर्ष के प्रथम रविवार को राजगढ़ धाम पर श्रद्धालुओ का जन सैलाब उमडा पड़ा। धाम पर प्रत्येक रविवार को लगने वाली भैरव बाबा की चौकी पर देश-प्रदेश से आए हुए श्रद्धालुओं को मुख्य उपासक चम्पालाल महाराज ने सर्वप्रथम प्रदेश व अजमेर की जनता को नववर्ष की शुभकानाओ के साथ नववर्ष सभी के लिये सुखमय व खुशहाली का आशिर्वाद दिया तत्पश्चात नशा मुक्ति व कन्या भ्रूण हत्या को रोकने का संकल्प दिलाया। महाराज ने कहा कि नशा विनाश का मूल कारण है व नशा ही समस्त बुराईयों की जड़ है। नशा करने वाले व्यक्ति के परिवार का प्रत्येक सदस्य परेशान व कुंठित रहता है इसलिये नशे का त्याग करना चाहिये। तत्पश्चात आये हुए श्रद्धालओ ने सवधर्म मनोकामना पूर्ण स्तम्भ परिक्रमा कर बाबा भैरव व माँ कालिका के दर्शन किये। धाम के प्रवक्ता अविनाश सेन ने बताया कि सीकर,झुझुनु के कार्यकर्ताओ के साथ चरण पादुका पर सेवा देने वाले कार्यकर्ताओ ने भी मुख्य उपासक चम्पालाल महाराज का माला,साफा व शॉल ओढाकर भव्य स्वागत सत्कार किया। धाम पर भारी भीड़ के चलते श्रद्धालुओ को अपनी बारी के लिये घण्टो तक इन्तजार करना पड़ा।

आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने कहा...

अपने अपने कर्मों का फल सबको मिलता है

ज्ञानतीर्थ पर एक शाम गुरुवर के नाम का भव्य आयोजन

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। अपने अपने कर्मों का फल सबको मिलता है। कुछ इस भव में मिलता है, कुछ उस भव में मिलता है। आप चाहे घर परिवार में रहें या साधु-सन्यासी बन जाएं। आपने जो भी अच्छे या बुरे कर्म किये हैं उनका फल तो भुगतना ही होगा । यदि आप अपने इष्ट की, देव शास्त्र गुरु की पूजा अर्चना करते हैं तो आपके बुरे कर्मों का फल कुछ कम तो हो सकता है, लेकिन उसके परिणाम तो भुगतने ही होगें। उक्त बात ज्ञानतीर्थ क्षेत्र पर विराजमान गणिनी आर्यिका गुरुमां स्वस्तिभूषण माताजी ने नववर्ष कार्यक्रम में गुरुभक्तों को सम्बोधित करते हुये कही। श्री ज्ञानतीर्थ क्षेत्र मुरेना में नववर्ष के अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ए बी रोड (धौलपर आगरा रोड) मुरेना हाइवे पर स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन ज्ञानतीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी योगेश जैन (खतौली वाले) दिल्ली ने जानकारी देते हुए बताया कि नववर्ष की पूर्व संध्या में परम पूज्य गणिनी आर्यिका गुरुमां स्वस्तिभूषण माताजी के पावन सान्निध्य में एवं ब्रह्मचारिणी बहिन अनिता दीदी, मंजुला दीदी, ललिता दीदी के निर्देशन में 48 दीपों से भक्तामर पाठ की महाअर्चना के साथ एक शाम गुरुवर के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ज्ञानतीर्थ आराधक परिवार द्वारा श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक महोत्सव में बनने वाले पात्रों का सम्मान किया गया । भजन गायक एवं संगीतकार मनीष जैन एन्ड पार्टी मुरेना की स्वर लहरी पर गुरु भक्तों ने भक्तिभाव से विभोर होकर नृत्य किये। परम पूज्य गुरुदेव सराकोद्धारक समाधिस्थ आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के अनन्य भक्त नरेश भूषण जैन, वकीलचन्द जैन, राकेश जैन, योगेश जैन खतौली, आनन्द जैन खेकड़ा, संजीव जैन, अमित , विक्रम , विकास, अतुल, मनोज कादला, मनोज जैन कैलाश नगर, लोकेश दिल्ली, सुनीत ठेकेदार, सतेंद्र जैन, विजय जैन, प्रदीप जैन, जिनेश जैन सहित दिल्ली, मेरठ, आगरा, धौलपर, ग्वालियर, जौरा, बानमोर, मुरेना से आये हुए भक्तों ने गुरुचरणों की बन्दना करते हुए जैन भजनों पर भक्तिपूर्वक नृत्य करते हुए

पूज्य गुरुदेव को याद किया । शाम 07 बजे से कार्यक्रम प्रारम्भ होकर मध्य रात्रि 01 बजे तक निरन्तर चलता रहा । जैसे ही रात्रि के 12 बजे सभी भक्तगण णमोकार महामंत्र की गूंज पर, गुरुदेव आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज एवं गुरुमां स्वस्तिभूषण माताजी के जयकारों के साथ जिनेन्द्र प्रभु की भक्ति में झूमने लगे। अंत में पूज्य गुरुमां गणिनी आर्यिका माताजी ने सभी को शुभाशीष देते हुए कहा कि आप सभी इसी तरह सदैव देव शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धानवत रहते हुए दिगम्बराचार्यों के मार्ग पर चलकर देश, धर्म व समाज की सेवा करते रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ बहिन अनीता दीदी के मंगलाचरण से हुआ। पूज्य गुरुदेव के चित्र का अनावरण आनन्द जैन खेकड़ा, चरण चिन्हों का अनावरण वकीलचंद, पंकज, राजीव जैन दिल्ली ने किया। आरती करने का सौभाग्य विजय जैन बल्लन सूरजमल विहार दिल्ली को प्राप्त हुआ। नव वर्ष की प्रातः कालीन वेला में श्री 1008 पार्श्वनाथ महामण्डल विधान का आयोजन किया गया। विधान में साधर्मी बन्धु पीत वस्त्र, एवं महिलाएं पीली साड़ी के साथ हार व मुकुट धारणकर इंद्र-इंद्राणी के स्वरूप में विराजमान थी ।

वेद ज्ञान

अहिंसा का धर्म

भारत धर्मपरायण देश है। यहां की मिट्टी के कण-कण में धर्म समाया हुआ है, लेकिन कौन-सा धर्म है वह? यह वह धर्म नहीं है, जो निर्दोष व्यक्तियों के प्राण लेता है। यह वह धर्म नहीं है, जो निरपराध व्यक्तियों के साथ अमानुषिक व्यवहार करता है। भारत का यह धर्म किसी को कष्ट देने वाला, किसी का शोषण करने वाला और किसी पर जबरन शासन करने वाला धर्म नहीं है। इस धर्म का पालन करते हुए न जाने कितने व्यक्ति ऐसे हुए हैं, जिन्होंने दूसरे व्यक्तियों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। यही सच्चा धर्म है। यह इंसान को इंसान से जोड़ना सिखाता है, न कि तोड़ना। अहिंसा यही सिखाती है। जो अहिंसा के रास्ते से भटक गए हैं और जिनका मूलाधार क्षमा से विमुख हो गया है वे ही लोग आज दुनिया के सामने बड़ा संकट बनकर उपस्थित हो रहे हैं। इस संकट को दूर करने का एक ही रास्ता है- अहिंसा पर आस्था रखना, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अहिंसा का पालन करना और 'पर' यानी दूसरे को आत्मवत मानकर उसकी उसी तत्परता से रक्षा करना, जितनी हम अपनी करते हैं। मनुष्य के जीवित रहने के लिए जितनी प्राण-वायु आवश्यक है, उतनी ही आवश्यक उसके जीवन के लिए अहिंसा है। वस्तुतः अहिंसा मानव-जीवन का अधिष्ठान है। जिसके जीवन में अहिंसा नहीं, वह जीवन एक प्रकार से निरर्थक है। अहिंसा से सामान्यतः माना जाता है किसी जीव की हत्या न करना। अहिंसा में यह तो निहित है ही, किंतु उसका अर्थ इससे कहीं अधिक व्यापक है। जीवन की कोई प्रवृत्ति ऐसी नहीं है, जिसमें अहिंसा का स्थान न हो। हमारे यहां अहिंसा और हिंसा का बहुत गहरा अर्थ किया गया है, किसी की भावना को आहत करना भी हिंसा माना गया है। हम अनावश्यक बोलते हैं तो उसमें हिंसा है। वस्तुतः सामर्थ्य होने पर व्यक्ति दूसरे को सताए नहीं, इसमें अहिंसा निहित है। अहिंसा के लिए व्यक्ति का क्षमाशील होना अत्यंत आवश्यक है। हम प्रायः अपराधी को दोषी ठहराते हैं, किंतु यदि हमें उसकी परिस्थिति का पूरा ज्ञान और भान हो सके तो हम उसके प्रति क्षमाशील ही हो सकते हैं। गांधीजी ने सत्य को परमेश्वर माना और कहा कि उससे साक्षात्कार करने का साधन अहिंसा है।

संपादकीय

चुनावों में अपने मताधिकार का उपयोग

मताधिकार की सफलता इसी बात में है कि हर नागरिक इसका उपयोग कर सके। मगर पढ़ाई-लिखाई, नौकरी, रोजगार, दिहाड़ी मजदूरी आदि के चलते बहुत सारे लोग अपना मूल स्थान छोड़ कर विभिन्न राज्यों में रहने को विवश हैं, इसलिए वे चुनावों में अपने मताधिकार का उपयोग नहीं कर पाते। निर्वाचन आयोग के मुताबिक पिछले आम चुनाव में करीब तीस करोड़ लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल नहीं कर पाए। ऐसा हर चुनाव में होता है। इसलिए लंबे समय से मांग उठती रही थी कि ऐसे लोगों के लिए मतदान का कोई व्यावहारिक उपाय निकाला जाना चाहिए। उसी के मद्देनजर निर्वाचन आयोग ने घरेलू प्रवासियों के लिए ह्यरिमोट वोटिंग मशीनह्ण यानी आरवीएम शुरू करने का प्रस्ताव पेश किया है। इस पर विचार-विमर्श के लिए अगले महीने सभी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया गया है। आयोग का कहना है कि इस मशीन को त्रुटिहीन बनाया और इंटरनेट से नहीं जोड़ा जाएगा।

हालांकि इस प्रक्रिया को लागू करने की राह में कई कानूनी और तकनीकी रोड़े हैं, जिन्हें दूर करना जरूरी होगा। मगर आयोग फिलहाल इसे प्रायोगिक तौर पर लागू करना चाहता है और फिर इस दिशा में आगे बढ़ा जा सकेगा। कई चुनाव विशेषज्ञ इसे एक क्रांतिकारी पहल मान रहे हैं। सैद्धांतिक तौर पर यह पहल निस्संदेह सराहनीय है। मगर जिस तरह अभी तक ईवीएम को लेकर भ्रम बने हुए हैं और हर चुनाव के बाद कुछ आवाजें मतदान में हुई गड़बड़ी को लेकर उठती रहती हैं, उसमें स्वाभाविक ही आरवीएम भी संदेह से परे नहीं होगी। जब मतदाता पहचानपत्र को आधार कार्ड से जोड़ने का प्रस्ताव आया, तब भी इसी शंका के चलते सवाल उठे थे कि कोई भी बाहरी व्यक्ति मतदान में गड़बड़ी कर सकता है। इसलिए आरवीएम को पूरी तरह भरोसेमंद बनाना होगा। विपक्षी कांग्रेस ने इसे लेकर शुरू में ही विरोध जाहिर किया है कि इससे मतदान के प्रति लोगों का भरोसा कमजोर होगा। जाहिर है, दूसरे दलों की तरफ से भी ऐसे एतराज उठने की संभावना है। मगर यह प्रस्ताव अगर किन्हीं वजहों से व्यावहारिक रूप नहीं ले पाता, तो ऐसे करोड़ों लोगों का मताधिकार प्रश्नांकित होता रहेगा। अब हर चुनाव में गिरता मतदान प्रतिशत निर्वाचन आयोग के लिए चुनौती बना हुआ है। तमाम अपीलों और जागरूकता अभियानों के बावजूद हर चुनाव में कई निर्वाचन क्षेत्रों में पचास प्रतिशत से भी कम मतदान हो पाता है। इस तरह जन प्रतिनिधित्व का मकसद ही अधूरा हो जाता है। इसे दूर करना निर्वाचन आयोग का नैतिक और संवैधानिक दायित्व है। चुनावों में गिरते मत प्रतिशत के पीछे अपने मूल स्थान से दूर शहरों या कस्बों में जा बसे लोगों को अपने मताधिकार का उपयोग न कर पाना भी बड़ा कारण है। अगर ऐसे लोगों को मतदान में शरीक कर लिया जाता है, तो निस्संदेह मत प्रतिशत बढ़ेगा। मगर दिक्कत यह है कि ऐसे लोगों की पहचान सुनिश्चित करना और वे जहां रह रहे हैं, वहां मतदान केंद्र स्थापित कर पाना कैसे संभव होगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

पढ़ाई बनाम पिटाई

कोई बच्चा अपने शिक्षक के पास पढ़ने-सीखने जाता है। मगर कई बार पढ़ाई के नाम पर उसके साथ ऐसा बर्ताव होता है, जिसका दंश उसके शरीर और जेहन में लंबे वक्त तक बना रह सकता है। भोपाल में एक ट्यूशन पढ़ाने वाले शिक्षक ने पांच साल की बच्ची को सिर्फ इसलिए बुरी तरह पीटा और उसके हाथ मरोड़ कर तोड़ डाले कि वह एक अंग्रेजी शब्द की वर्तनी ठीक से नहीं बता पाई थी। अव्वल तो किसी तरह की गलती या कमी की स्थिति में भी बच्चों से ऐसी हिंसा नहीं की जा सकती, लेकिन यह तो कोई ऐसी बात भी नहीं थी कि जिस पर किसी को गुस्सा आए! फिर शिक्षण को एक पेशे के तौर पर चुनने वाले व्यक्ति के लिए यह एक अनिवार्य शर्त है कि वह हर हाल में विवेक से ही काम ले, न कि आपा खोकर बच्चों के खिलाफ हिंसक हो जाए। अफसोस कि हमारे यहां के ज्यादातर शिक्षकों को इस तथ्य के बारे में तब भी सोचना जरूरी नहीं लगता जब बाल मनोविज्ञान और शिक्षा के मसले पर होने वाले शोध या अध्ययनों के जरिए आए दिन बताया जाता है कि शिक्षण के दौरान एक शिक्षक के भीतर गुस्सा, हिंसा या आक्रामकता के लिए जगह नहीं है। दरअसल, अगर कोई शिक्षक अपने भीतर आक्रामक उतार-चढ़ाव से गुजरता है तो उसे पढ़ाने के तौर-तरीकों के साथ-साथ बाल मनोविज्ञान और कानून के अलग-अलग पहलुओं के बारे में जानने-समझने की जरूरत है। पांच साल की उम्र कुछ भी पढ़ने-सीखने के लिहाज से बिल्कुल शुरूआती दौर है। छोटे बच्चों के भीतर अभी पढ़ाई-लिखाई को लेकर एक समझ बननी शुरू ही हो रही होती है। ऐसे में एक शिक्षक का दायित्व होता है कि वह पाठ की प्रस्तुति से लेकर अपने व्यवहार और बात करने के तरीके को ऐसे पेश करे कि बच्चे पठन-पाठन में रुचि लें, उसके प्रति सहज हो सकें, बताई गई बातों को आसानी से ग्रहण कर सकें। इसके बजाय बहुत सारे शिक्षक एक पुरानी और गलत धारणा के शिकार होते हैं कि बच्चों को पढ़ाते समय डांट-फटकार या पिटाई एक सामान्य अभ्यास है और इसी तरह से उन्हें समझाया या सिखाया जा सकता है। सच यह है कि शिक्षक के भीतर किसी भी तरह की आक्रामकता, उससे मिली डांट-फटकार या पिटाई का असर बच्चों पर उलटा पड़ता है। वे न केवल शरीर पर लगी चोटों से पीड़ित होते हैं, बल्कि उनके मन-मस्तिष्क पर इसका जो आघात लगता है, वह पढ़ाई-लिखाई के प्रति उनके भीतर अरुचि भी पैदा कर दे सकता है। जाहिर है, बच्चों को पढ़ाने-लिखाने के पेशे का चुनाव सिर्फ उन्हें ही करना चाहिए, जिनके भीतर बाल मनोविज्ञान की समझ हो और बच्चों की जरूरत और समझ के मुताबिक किसी विषय या पाठ को समझा सकने की क्षमता हो। मगर अक्सर ऐसी खबरें आती रहती हैं, जिनमें किसी स्कूल में या अन्य जगहों पर शिक्षकों ने बच्चों पर इस तरह हमला किया, जिस तरह कोई दुश्मन करता है। हाल ही में दिल्ली में एक शिक्षक ने एक बच्ची पर कैंची से हमला किया, फिर उसे पहली मंजिल से नीचे फेंक दिया। इसी तरह, उत्तर प्रदेश में एक शिक्षक ने दो का पहाड़ा न सुना सकने जैसी मामूली बात पर ग्यारह साल के एक बच्चे के हाथ पर छेद करने वाली मशीन चला दी। विडंबना यह है कि बच्चों को डांट-फटकार या पिटाई पर सख्त कानूनी पाबंदी होने और इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निदेशों के बावजूद कुछ शिक्षक इस तरह की हिंसक प्रवृत्ति को नहीं छोड़ पा रहे।

प्रभु के दरबार में भक्तों ने किया नववर्ष का स्वागत

तिजारा,अलवर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य 108 अतिवीर जी मुनिराज के पावन सान्निध्य में राजस्थान की पुण्यधरा अलवर स्थित चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र देहरा तिजारा में हजारों की संख्या में उपस्थित गुरुभक्तों ने नव वर्ष 2023 कास्वागत भक्ति करते हुए किया। दिनांक 31 दिसम्बर 2022 को आयोजित विराट समारोह में प्रसिद्द गीतकार संगीतकार मयूर जैन एन्ड पार्टी (इंदौर) के भजन संगीत पर भक्ति के सरोवर में श्रद्धालुओं ने डुबकियां लगायीं। कार्यक्रम का शुभारम्भ विशिष्ट अतिथियों द्वारा चित्र अनावरण व दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। प्रबंधकारिणी समिति ने बाहर से आये हुए सभी गुरुभक्तों का सम्मान कर अभिनन्दन किया। क्षेत्र पर निर्माणाधीन भोजनशाला के अंतर्गत विशाल हाल, किचन, कमरे आदि के सम्पूर्ण निर्माण हेतु पूज्य आचार्य के मंगल आशीर्वाद से मोहिंदर पाल जैन श्रीमती त्रिशला जैन सपरिवार 'नजफगढ़ वाले' (कृष्णा नगर दिल्ली) ने दानराशि की स्वीकृति प्रदान कर पुण्यार्जन किया। इस अवसर पर समिति की ओर से पदाधिकारियों द्वारा समस्त सौभाग्यशाली परिवार का हार्दिक स्वागत व सम्मान किया गया। उत्साह से भरपूर गुरुभक्तों ने रात्रि 12 बजे नव वर्ष 2023 का मंगलमय स्वागत किया गया। देहरे वाले बाबा चन्द्रप्रभ भगवान के आलौकिक दर्शन व मंगल आरती कर भक्तजन अभिभूत हो गए। पूज्य आचार्य का दिव्य आशीर्वाद उपस्थित जनसमुदाय को प्राप्त हुआ। पूज्य आचार्य के पावन सान्निध्य में दिनांक 1 जनवरी 2023 की प्रत्युष बेला में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने देहरे वाले बाबा का अभिषेक व शांतिधारा कर अपना जीवन धन्य किया। तत्पश्चात चंद्रगिरि वाटिका में विराजमान विशाल प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक संपन्न हुआ। शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर जी के संरक्षण हेतु सम्मेद शिखर महामण्डल विधान का मंगल आयोजन भक्ति-भाव सहित किया गया। वर्ष के प्रथम दिन तिजारा युवा मंडल द्वारा आचार्य की आहारचर्या संपन्न हुई तत्पश्चात समस्त नगर में बैंड-बाजों सहित भ्रमण करते हुए आचार्य का देहरा मन्दिर में आगमन हुआ तो सैकड़ों युवा भक्तों ने अपने हाथों से आचार्य के चरणों के नीचे कमलों की रचना कर भावभीना स्वागत किया।

लोकायुक्त लोहरा ने राज्यपाल को वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र से सोमवार को यहाँ राजभवन में लोकायुक्त प्रताप कृष्ण लोहरा ने मुलाकात की। राज्यपाल को लोकायुक्त लोहरा ने वार्षिक प्रतिवेदन सौंपा। उन्होंने राज्यपाल को लोकायुक्त संस्था की गतिविधियों, परिवादों के त्वरित निस्तारण के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी जानकारी दी।

आईएएस एसोसिएशन ने दी मुख्य सचिव को नववर्ष पर बधाई और शुभकामनाएं

आईएएस एसोसिएशन ने सोमवार को मुख्य सचिव उषा शर्मा को नववर्ष की बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा ने भी एसोसिएशन के अधिकारियों को नववर्ष की बधाई दी। इस अवसर पर आईएएस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष कुंजीलाल मीणा, सचिव समित शर्मा, पवन अरोड़ा, विष्णुचरण मालिक सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रवींद्र मंच में होगा राजस्थान के पहले इंटिमेट थिएटर फेस्टिवल का आयोजन

जयपुर। रवींद्र रंगमंच में आगामी नव वर्ष के प्रथम सप्ताह में दिनांक 3 जनवरी से 8 जनवरी तक राजस्थान के पहले इंटिमेट थिएटर फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। स्माइल एन्ड हॉप एवम 31 बिल संस्था द्वारा नार्थ जोन कल्चरल सेंटर के सहयोग से आयोजित होने जा रहे इस फेस्टिवल में जयपुर सहित चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश के नाट्यकर्मियों के नाटक भी देखने को मिलेंगे। शनिवार को वरिष्ठ IAS श्रेया गुहा और राजस्थान ललित कला अकादमी के चेयरमैन ने इस महोत्सव का पोस्टर विमोचन किया। फेस्टिवल के आयोजन सचिव डॉ सौरभ भट्ट ने बताया कि इंटीमेट थिएटर में नाट्य कलाकार दर्शकों के काफी करीब होता है जिससे उसका तारतम्य सीधा दर्शकों से होता है। इस तरह के नाटक एनएसडी में काफी मात्रा में किया जाता है। जयपुर में भी अक्सर इस तरह के नाटक खेले जाते हैं किंतु एक ऐसे फेस्टिवल का आयोजन जिसमे केवल इंटिमेट थिएटर ही हो, राजथान में ये अपने तरह का पहला महोत्सव है। इन नाटकों का होगा मंचन।

महोत्सव के पहले दिन 3 जनवरी को जयपुर के युवा रंगकर्मी महमूद अली के निर्देशन में गुलजार एवम सलीम आरिफ लिखित नाटक खुदा हाफिज का मंचन किया जाएगा।

चार जनवरी दूसरे दिन चंडीगढ़ की टीम द्वारा मुकेश शर्मा के निर्देशन में शंकर शेष लिखित प्रसिद्ध नाटक एक और द्रोणाचार्य का मंचन किया जाएगा। समारोह के तीसरे दिन 5 जनवरी को पंकज सुबीर और तपन भट्ट की कहानियों पर आधारित नाटक दो किनारे का मंचन होगा जिसके निर्देशन जयपुर की रंगकर्मी अन्नपूर्णा शर्मा करेंगी। समारोह के चौथे दिन दिनांक 6 जनवरी को हिमाचल प्रदेश की नाट्य प्रस्तुति भगवान के पूत का मंचन होगा। राजा चटर्जी और नूर जहीर लिखित इस नाटक का निर्देशन केहर सिंह ठाकुर करेंगे। समारोह में पांचवी प्रस्तुति विजयदान देथा की कहानी पर आधारित नाटक केंचुली होगी जिसका निर्देशन जयपुर के युवा रंगकर्मी अभिषेक झांकल करेंगे। समारोह के समापन में अंतिम दिन तपन भट्ट लिखित नाटक उनकी चिट्ठियां खेला जाएगा जिसका निर्देशन डॉ सौरभ भट्ट करेंगे। सभी नाटकों की प्रस्तुतियां रविन्द्र मंच के मिनी ऑडिटोरियम में सायं 6.30 बजे होंगी और दर्शकों का प्रवेश निशुल्क रहेगा।

तीर्थंकर ग्रुप की सम्मेद शिखरजी की यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर जयपुर के 22 सदस्य जयपुर से हावडा सुपरफास्ट ट्रेन से श्री सम्मेदशिखरजी आदि तीर्थों के लिए रवाना हुये। पारसनाथ हिल स्टेशन पहुंच कर ईसरी में रात्री विश्राम किया व सुबह उठकर स्नान आदि से निवृत होकर वंहा के मंदिरजी में सदस्यों ने शान्तिधारा की व दर्शन आदि से करके श्री सम्मेदशिखरजी आ गये।दिन में मंदिरों के दर्शन किए व सायं गुणायतन के मुनि श्री प्रमाण सागर जी के शंका समाधान में सम्मिलित हुये। डॉ. एम.एल जैन 'मणि' परिवार ने गुणायतन में स्तंभ के सदस्य बने तथा 250000/-का दान का पुण्यार्जन किया। इस मोके पर परमपूज्य मुनीश्री प्रमाण सागरजी ने सभी सदस्यों को स्टेज पर बुला कर मोमेंटों देकर आशीर्वाद दिया। दूसरे दिन सदस्य पहाड की वंदना को गये व सीनियर सिटिजनों ने बस से पहाड की परकम्पा के अतिप्राचीन तीर्थों के दर्शन किए। तीसरे दिन मंदारगिरीजी की वंदना के लिए रवाना हुये। रास्ते में खण्डेला धाम रुके व वंहा वोटिंग की तथा गार्डन का आनन्द लिया। सायं बोंसी पहुंचकर विश्राम किया। प्रातःअभिषेक शान्तिधारा कर वंदना के लिए रवाना हुये।दोपहर को चम्पापुर-भागलपुर के मंदिरों के दर्शन किए व भगवान महावीर की मोक्षस्थली पांवापुरजी पहुंच विश्राम किया।चोथे दिन सवेरे पांवापुरीजी में चरणों की वंदना की व अन्य जैन मंदिरों के दर्शन कर गुणावां व नवादा के लिए रवाना हुये व अतिप्राचीन दर्शन किए तथा रास्ते में मलियागिर में भगवान महावीर की तपस्थली के दर्शन किए व राजगिरीजी में रात्री विश्राम किया व सुबह उठकर पंचपहाडी की वंदना को गये तथा दूसरे व तीसरे पहाड

के बीच रोपवे से बुध टेम्पल भी गये । पांचवें पहाड पर गर्म पानी के कुंड भी देखे व नीचे आकर वीरायतन गये जंहा जिनमंदिर के दर्शन किए व जैन म्युजियम देखा तथा आकर लाल मंदिर व धर्मशाला के मंदिरजी के दर्शन किए, इसी के साथ रास्ते में खुदाई में निकली नालन्दा यूनिवर्सिटी ,कुण्डलपुर के मंदिर, नन्दावर्त महल,नवग्रह मंदिर, तीन चोबीसी मंदिर, महावीर व आदिनाथ का मंदिर जो पूज्य ज्ञानमति माताजी की प्रेरणा व आशीर्वाद से बने हैं उनके दर्शन किए व आते समय अतिप्राचीन कुण्डलपुर के मंदिर के भी दर्शन किये। छटे दिन गयाजी आ गये व वंहा के मंदिर जी के दर्शन कर ट्रेन से जयपुर के लिए रवाना हुये। इस ट्रिप में तीर्थंकर ग्रुप के .एम.एल जैन ''मणि''-अध्यक्ष, डां शान्ति जैन मणि, डॉ. मनीष जैन मणि, डॉ. अलका जैन, पारस मल लुहाडिया कोषाध्यक्ष, श्रीमति मंजूजैन व अन्य परिवारजन थे। सभी 1जनवरी 23 को जयपुर आ गये।

सोने के घर बनाने वाले पछताते हैं, मन्दिर बनाने वाले अमर हो जाते हैं : आचार्य श्री सुनील सागर जी

दीप प्रज्जवलन कर किए शास्त्र भेंट। शिखरजी में सुविधाएं नहीं पवित्रता चाहिए: विजय धुर्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

विकारों का बमन हों रहा है यदि विकारों का बमन नहीं हो रहा तो समझ लेना कि अपने को सही मार्ग मिला ही नहीं है। सोने के घर बनाने वाले पछताते हैं और सोने के मन्दिर बनाने वाले भव से पार हो जातें हैं । सोने में ही जिंदगी गवा रहें हैं निंद्रा को राक्षसी कह है सौ साल में से पचास वर्ष तो सोने में ही निकल जाते हैं फिर खाने पीने में निकल जाते हैं विद्या को पाने की चाह नहीं आचार्य श्री विद्यासागर महाराज बनने की चाह रखे अपनी मति को सन्मति बना कर सन्मति सागर बने सुधा को पाने श्री सुधा सागर जी बनकर अपने जीवन का कल्याण करें। ये दुर्लभ परियाय मिलीं हैं इसको जनना है जैन समाज को शान्ति प्रिय कह जाता है हम है ही शान्ति प्रिय इसका सम्मान होना चाहिए और शिखर जी का कोई हल निकलना चाहिए उक्त आशय केउ द्वार सांगानेर में धर्म सभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

तीर्थ भूमि को तीर्थ ही रहने दें, घूमने को दुनिया पड़ी है: विजय धुर्रा

सभा में तीर्थ वंदना के सह सम्पादक विजय धुर्रा अशोक नगर ने कहा कि जैन समाज की आस्था के केन्द्र श्री सम्मेद शिखर जी में हमें सरकार की कोई सुविधाएं नहीं चाहिए तीर्थ को तीर्थ भूमि ही रहने दें घूमने के लिये दुनिया पड़ी है हम तीर्थ राज को पवित्र रखने की मांग कर रहे हैं आज देश भर का समाज आंदोलित है। सरकार से सिर्फ एक अपेक्षा कर रहा है कि इसे जो आपने पर्यटन क्षेत्र घोषित किया है इसके स्थान पर पवित्र क्षेत्र घोषित करें तो

इस आस्था के केन्द्र में सरकार का योगदान होगा। हमारे संत सर्दी गर्मी सहन कर हमें सुविधाओ से दूर रहना सिखातें है और यही उम्मीद सरकार से भी कर रहे हैं। इसके पहले धर्म सभा का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ सभा के प्रारंभ बड़े बाबा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा अशोक नगर, विकास जैन, प्रवीण बड़जात्या जयपुर ने किया । आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज को शास्त्र भेंट किए अतिथियों का सम्मान कमेटी के अध्यक्ष प्रेम बज, महामंत्री सुरेश कासलीवाल, नरेंद्र बज, महावीर प्रसाद जैन, विजय बज सहित अन्य सदस्यों द्वारा किया गया।

आज युवा पीढ़ी धर्म से दूर हो रही है : आर्यिका श्री सुस्वर मति माताजी

इसके पहले आर्यिका श्री सुस्वर मति माताजी ने कहा कि जो अपना जीवन गुरु के चरणों में समर्पित कर देता है वह जीवन की ऊंचाइयों को स्पर्श करते चले जाते हैं कल बहुत सारे युवा बड़े हर्ष उल्लास से बड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी का महाभिषेक कर आनंदित हो रहें थे । गुरु चरणों में दौड़ रहें थे आज युवा पीढ़ी धर्म से दूर हो रही है फिर भी जब संत समागम अतिशय कारी प्रभु का सान्निध्य पाकर अपने जीवन को धन्य बनाया।

जीवन भी कर्मों की किस्तों से चल रहा

इसके पहले आचार्य श्री ने कहा कि पांच इन्द्रीय में एक भी कम हो तो लेनें के देने पड़ जाते हैं इन्द्रीया सारी महत्वपूर्ण है आप लोन लेते हैं तो किस्त जमा करने को अंग्रेजी मे एम आई कहते हैं यह भी एम आई और एम आई से जी रहे हैं आध्यात्मिकता की दृष्टि से कहे तो आपके लोन की तरह ये सांसे भी किस्तों पर ही है जब तक कर्म रूपी किस्त चल रहे हैं तब तक ही जिंदगी सलामत है इसे संभाल ले ।

मुनिश्री के सानिध्य में बडोदरा में नववर्ष महामांगलिक अनुष्ठान संपन्न

बडोदरा. शाबाश इंडिया

युगप्रधान शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी नचिकेता आदित्य मुनि के पावन सानिध्य में बडोदरा तेरापंथ भवन में नववर्ष महामांगलिक आध्यात्मिक अनुष्ठान एवं अभिनव सामायिक का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुनिश्री द्वारा अनेक आध्यात्मिक मंत्रों का उच्चारण किया गया। मुनिश्री ने बड़ोदरा वासियों को नव वर्ष पर आध्यात्मिक गति प्रगति की प्रेरणा प्रदान की। तेरापंथी सभा बड़ोदरा के द्वारा सभी के प्रति नववर्ष की मंगल कामना की गई। नव वर्ष महामंगलिक कार्यक्रम में श्रावक समाज की अच्छी उपस्थिति थी।

सुजलांचल विकास मंच समिति द्वारा जरूरतमंदों को कम्बल वितरण किये गये

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन समाज सुजानगढ़ निवासी जयपुर प्रवासी कंवरी लाल सुमित्रा देवी काला एवं हीरालाल पारस काला के सौजन्य से नूतन वर्ष के अवसर पर सुजलांचल विकास मंच समिति के तत्वावधान में स्थानीय पांड्या धर्मशाला में जरूरतमंदों को कम्बल वितरण कार्यक्रम रखा गया। समिति उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी ने जानकारी देते हुए बताया कि समिति द्वारा चलाए जा रहे जन सेवा प्रकल्प के दौरान विभिन्न विद्यालय के स्कूली बच्चों को स्वेटर जुराब, जूते, टिफिन, वाटर बोटल, वितरण का कार्य सफलतापूर्वक किया जा चुका है।

नववर्ष की पर जरूरतमन्दों को कम्बलों व भोजन पैकिटों का वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। अग्रवाल समाज सेवा समिति, जगतपुरा, जयपुर द्वारा नववर्ष की पूर्व संध्या पर जरूरतमन्दों को कम्बलों व भोजन पैकिटों का वितरण करने का कार्यक्रम किया गया। महासचिव पुनीत अग्रवाल ने बताया कि 31 दिसम्बर रात को जरूरतमन्द और बेसहारा लोगों में लगभग 101 कम्बल-रजाई एवं 101 भोजन पैकिट का वितरण किया गया है। समिति के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने बताया कि बढ़ती सर्दी के मौसम को देखते हुए बेसहारा लोगों को रजाई-कम्बल और भोजन की उपलब्धता होना आवश्यक है एवं ऐसे कार्यक्रम आगे भी जारी रहेंगे। अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर समिति के सदस्यता अभियान की बहुत ही धमाकेदार शुरूआत की गई। कार्यक्रम में समिति के गणमान्य सदस्यगण भी उपस्थित रहे।

2023 के कैलेंडर व डायरी का विमोचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। भगवती प्लास्टिक एंड पाइप इंडस्ट्रीज 2023 के कैलेंडर व डायरी का विमोचन को सरना डूंगर औद्योगिक क्षेत्र में विश्वकर्मा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन व यूकोरी के अध्यक्ष ताराचंद चौधरी ने किया। चौधरी ने बताया कि यह कैलेंडर पंचांग का प्रतिरूप है, तिथि, वार, मुहूर्त सभी से सुसज्जित है। भगवती प्लास्टिक के डायरेक्टर सुमेर सिंह शेखावत ने बताया कि भगवती प्लास्टिक प्रतिवर्ष कलेंडर व डायरी कई वर्षों से निकालता आ रहा है। इनका वितरण किसानों, व्यापारियों व सरकारी विभागों मे किया जाता है। इस मौके पर भगवती प्लास्टिक के डायरेक्टर सुमेर सिंह शेखावत, पूनम शेखावत, पवन झालानी, कप्तान सिंह चौधरी, सुरेश जांगिड़, सुरेश शर्मा, दीपक सिंह, झाबरमल चौधरी आदि मौजूद रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

पूज्य अन्तर्मना महाराज का महा साधना 551वाँ दिन के पूर्ण हुआ

शिखर जी-अन्तर्मना मुनि श्री 108 प्रसन्न सागर जी महामुनिराज 8 महीना पर्वत राज पर मौन

जयपुर. शाबाश इंडिया

साधना और एकांत में रहते हुवे तपस्या में रत थे फिर कुछ दिन बीस पंथी कोठी में विराजमान रहकर पुनः विगत 1 माह से स्वर्णभद्र कूट में इस विषम ठंडी में अपनी मौन साधना ओर सिंह निष्क्रिय व्रत करते हुवे मौन वाणी से आज की उवाच में बताया कि बैठ अकेला दो घड़ी, भगवान के गुण गाया कर.. मन मन्दिर में ये जीया, झाड़ू रोज लगाया कर। आगत का करे स्वागत, विगत को दे विदाई प्त मतलब 2022 को दें विदाई और 2023 को दें बधाई। जिनके पास इरादे होते हैं, उनके पास बहाने नहीं होते। यदि हम अपने हालातों को नहीं बदल सकते, लेकिन हम उन हालातों के प्रति अपनी सोच को बदल कर, सावधान तो हो ही सकते हैं, जिससे यह नया वर्ष, नये हर्ष के साथ, नयी उमंग और तरंग के साथ, नये जोश और जुनून के साथ, बड़ो के आशीर्वाद और सद्भाव के साथ शुरू कर सकें इसलिए - आज से एक संकल्प लें कि रोज एक पुण्य कार्य करेंगे और एक पाप, एक बुराई का त्याग करेंगे। रोज रात सोने से पहले आज की समीक्षा और कल की प्रतिक्षा करेंगे। रोज सोने से पहले आज के बैर विरोध को खत्म करें और कल की शुरूआत भाई चारे से प्रारंभ करें। जैसे हम रोज घर की सफाई झाड़ू से और शरीर की सफाई साबुन शैम्पू से करते हैं, वैसे ही रात सोने से पहले मन की सफाई, आज जो भी बुरे कार्य किये हैं या हुये हैं उनका पश्चाताप करें। भगवान के नाम की साबुन से मन के मैल को धो डालें। यदि हम रोज सफाई करते हैं तो मन का दर्पण कभी मैला नहीं हो पायेगा और नया साल हँसते मुस्कुराते गुजर जायेगा। रोज बुराई को विदाई दें,, अच्छाई को स्वीकार करें। **संकलन कर्ता कोडरमा मीडिया राज कुमार अजमेरा**

लोगों की बात का तब फर्क पड़ता है जब आपको किसी बात से कोई फर्क नहीं पड़ता: अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी

इसलिए सुखी से जीवन जीना है तो अजनबी बनकर जीना शुरू कर दो। मैं देख रहा हूँ-आज संसार में सभी जान पहचान बढ़ाने में लगे हुये हैं। हमें जितना अधिक लोग जानते हैं, हम अपने आप को उतना ही महान मानते हैं, और कहते हैं- आई एम समथिंग। मैं कहता हूँ-नथिंग। हमें जितना अधिक लोग जानते हैं, हम अपने आपको उतना ही सेफ समझते हैं और अपने अहंकार को पुष्ट करते हैं। परन्तु जो जाने पहचाने से लगते हैं, वे असलियत में अजनबी ही होते हैं। क्योंकि जो पहचान है -- वह नाम, पता, व्यापार, परिवार, कद पद पैसे आदि की बाहरी चीजों की दुनिया से होती है। हम भी उसी को अपनी पहचान समझते हैं। यदि हम एक दूसरे को जानते पहचानते होते, तो हर आदमी अपने आप को अकेला महसूस नहीं करता। आज आदमी सबके साथ होकर भी अकेलेपन का जीवन जी रहा है। यह जान पहचान रिश्ते नाते सब बाहरी आकर्षण के केन्द्र है। सत्य यही है। जैसे - विशाल समन्दर में अथाह जल राशी होने के बाद भी वह एक की प्यास नहीं बुझा पाता। इस विरोधाभास को कैसे समझायें- ? और इस समस्या से कैसे बाहर आयें? इससे बाहर आने के लिये खुद को, खुद की सतही में जाना पड़ेगा, और अपने भीतर डूबना पड़ेगा। यहाँ प्रकृति की हर एक चीज अकेली है। वस्तुओं का स्वभाव भी यही है, कि हर एक इन्सान अपने लिये जीता है और अपने ढंग से जीता है। बात इतनी सी है कि जन्म और मृत्यु ये दो तट है, जिनके बीच आदमी नाटकीय, कौतूहल की जिन्दगी जी रहा है।

दीया का तेल खतम, जीवन का खेल खतम।

यदि जीवन को समझना है तो समग्रता और इमानदारी से जीयें, बेहोशी, मूर्च्छा, तन्द्रा का जीवन जीना बन्द करे। जिस दिन आदमी समग्रता से जीना शुरू कर देगा और बेहोशी से जीना बन्द कर देगा, तो उसी दिन से उसका खुद से परिचय हो जायेगा*, फिर उसे दूसरे लोग जाने या ना जाने, इससे उसे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। जब हम खुद से जुड़ जाते हैं तब बोध होता है कि हमें दूसरे कोई भी इन्सान जान ही नहीं सकते, ना हम आपको जान सकते। एक दूसरे के साथ होना ये तो ऐसा ही है जैसे-नदी नाव संयोग। नाव पानी में रहे तो पार कर देगी और पानी नाव में आ जाये तो नाव डूबो देगी। आपको विचार करना है कि आपकी नाव पानी में या पानी नाव में?।

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति की सत्र 2023 की कार्यकारिणी का गठन

राकेश गोदिका अध्यक्ष, अनिल संघी सचिव तथा मनीष लोंग्या कार्याध्यक्ष बने

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति की वर्ष 2023 के लिये नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। निवर्तमान सचिव अनिल - प्रेमा रावका ने बताया कि नई कार्यकारिणी मे राकेश -समता गोदिका अध्यक्ष, दिनेश-संगीता गंगवाल परामर्शक, मनीष-शोभना लोंग्या कार्याध्यक्ष, अनिल - निशा संघी सचिव, सुनील - सुनीता गोदिका , राकेश- रेणु संघी, महेन्द्र-सुनीता जैन, चक्रेश - पिंकी जैन उपाध्यक्ष, अनिल -अनीता जैन कोषाध्यक्ष, राजेश - रितु छाबड़ा, राजेश - रानी पाटनी संगठन सचिव, प्रदीप-प्राची जैन , चेतन- अनामिका पापडीवाल, सयुक्त सचिव, कमल - मंजू ठोलीया सांस्कृतिक सचिव, राजेंद्र - कुसुम जैन खेल सचिव , कार्यकारिणी सदस्य : डॉक्टर अनुपम विनीता जैन, सपन - रजनी छाबड़ा, अनिल -ज्योति जैन चौधरी, नितेश -मीनू पांड्या तथा विशेष आमंत्रित सदस्य अशोक सेठी व अशोक- अर्चना पाटनी को बनाया गया। नवनियुक्त सभी पदाधिकारियो व सदस्यों को दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन जयपुर के सचिव निर्मल - सरला संघी ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

अशोकनगर में जैन समाज ने अनोखे अंदाज में किया विरोध प्रदर्शन

घण्टा एवम पुंगी बजाते पहुंचे सांसद के घर

गौरव जैन सिन्नी. शाबाश इंडिया

अशोकनगर। लोकसभा चुनाव के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को हराकर देश भर में चर्चित हुए गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद डॉ केपी यादव के आज एक बार फिर चर्चा में हैं। सांसद केपी यादव इस बार अपने खिलाफ जैन समाज द्वारा अनोखे विरोध प्रदर्शन के कारण मीडिया और सोशल मीडिया में सुर्खियां बटोर रहे हैं। दरअसल सोमवार दोपहर करीब 3 बजे अशोकनगर जैन समाज ने गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र से भाजपा सांसद डॉ केपी यादव के अशोकनगर स्थित उनके

घर के बाहर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के दौरान जैन समाज से जुड़े सैकड़ों लोग स्थानीय गांधीपार्क चौराहा से एक जुलूस की शक्ल के इकट्ठा होकर सांसद केपी यादव के घर पहुँचे।इस दौरान सभी प्रदर्शनकारी घंटा और पुंगीनुमा बीन बजाते हुए चल रहे थे। सभी प्रदर्शनकारी विदिशा रोड स्थित सांसद के घर पहुँचे और घर के बाहर घंटा और बीन, पुंगी आदि बजाकर विरोध प्रदर्शन किया।

क्यों बजानी पड़ी पुंगी

झारखंड के मधुवन जिला स्थित प्रसिद्ध जैन तीर्थ क्षेत्र सम्मेद शिखरजी को झारखंड सरकार द्वारा पर्यटन क्षेत्र घोषित किए जाने से नाराज होकर जैन समाज केंद्र एवं झारखंड सरकार के खिलाफ देश भर में विरोध प्रदर्शन कर रहा है। अशोकनगर का स्थानीय जैन समाज सांसद डॉ केपी यादव से इसलिए नाराज था कि उन्होंने लोकसभा में जैन समाज का पक्ष नहीं रखा था। समाजजनों ने सांसद से जैन समाज के पक्ष में आवाज उठाने की मांग को लेकर घंटा और पुंगी, बीन बजाकर विरोध प्रदर्शन किया।